सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा विभाग–राजस्थान सरकार

(प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा)

स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन

बाल केन्द्रित शिक्षण

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा : 3, 4 व 5 : हिन्दी

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक / शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

पढ़े चलो, बढ़े चलो

RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- कक्षा से सम्बन्धित पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठों के अधिगम उद्देश्य/कार्य की प्राथमिक स्तर के लिए विषयवार अलग से पुस्तिका दी गई है। विषय से सम्बन्धित योजना बनाते समय इस पुस्तिका का उपयोग किया जाएगा।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थियों के नाम, कक्षा के बच्चों के समूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित हैं। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों के नाम एवं रोल नं. डायरी में सम्बन्धित कक्षा की शुरुआत वाले पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार इस पत्रक पर नाम लिखना है।
- अधिगम स्तर के अनुसार समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज करना है। आधार रेखा आकलन कक्षा–2 से किया जाना है। यहाँ कक्षा को दो समूहों में देखा जा रहा है जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है।
- शिक्षण–आकलन योजना – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक कार्य, उपसमूहों में कार्य एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ ''सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- ''समूह–1 क्षमता संर्वधन'' हेतु योजना से तात्पर्य है कि कक्षा के समकक्ष अध्ययनरत विद्यार्थियों की क्षमता संवर्धन के लिए योजना का निर्धारण करना।
- ''समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य नामांकित कक्षा से नीचे की कक्षाओं के स्तर पर लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति– इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को, कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए समय–समय पर आकलन सूचकों के सापेक्ष प्रत्येक टर्म में दो बार दर्ज करना है।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचकों में से बुनियादी अवधारणाओं के सापेक्ष आकलन के सूचकों को आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किया गया है ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे बुनियादी अवधारणाओं के अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा। तीन टर्म में काम करने के बाद चतुर्थ टर्म में बच्चों का सम्पूर्ण अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष वार्षिक समेकित आकलन दर्ज करना है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति के लिए दी गई चैकलिस्ट में प्रत्येक कक्षा के अधिकतम 30 बच्चों का आकलन दर्ज किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी में लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– अध्यापक योजना डायरी में लिखे गए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज किया जाएगा।)
- बुनियादी दक्षताओं से संबंधित चैकलिस्ट को चतुर्थ टर्म की चैकलिस्ट के बाद सम्मिलित किया गया है। जिसमें बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति को प्रत्येक टर्म में दर्ज करना है। इन बच्चों के कक्षा स्तर के अन्य अधिगम क्षेत्रों/कौशलों पर आधारित क्षमताओं के अन्तर्गत आए सूचकों जिन पर सम्पूर्ण कक्षा की योजना में कार्य किया गया है, के सापेक्ष अधिगम स्थिति को ही टर्म की चैकलिस्ट में दर्ज किया जाना है।
- सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है– A= स्वतंत्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।

कक्षा : 3

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–3 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
सुनी या पढ़ी हुई कविता,गीत को लय, हावभाव एवं पहल करते हुए अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या,कहाँ,कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना। (अपनी भाषा/बोली में)	I																														
	II																														
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव अपने शब्दों में बता पाना।	I																														
	II																														
पसंद/नापसंद या अन्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा में अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं भाव के साथ पढ़ पाना तथा पढ़ने के प्रति रुचि दिखा पाना।	I																														
	II																														
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																														
	II																														
पहेलियों को पढ़कर समझते हुए संदर्भ के अनुसार हल कर पाना।	I																														
	II																														
पठित विषयवस्तु पर कक्षा में व बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																														
	II																														
प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
लिखना																															
उपयुक्त दूरी,शिरो रेखा, उचित विराम चिह्नों व मानक शब्दों का प्रयोग कर परिचित घटना/चित्रों पर 4–6 वाक्य लिख पाना।	I																														
	II																														
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के अनुसार उत्तर/जवाब लिख पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में स्वतन्त्र रूप से संज्ञा नाम बता पाना (लिखित/मौखिक)।	I																														
	II																														
विभिन्न संज्ञा नामों का वर्गीकरण कर पाना।	I																														
	II																														
सर्वनाम शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
कागज से मुखौटे या अन्य वस्तुएँ बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेश से सम्बन्धित विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																														
	II																														
चित्र के अनुसार रंग का संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–3 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
सुनी या पढ़ी हुई कविता,गीत को लय, हावभाव एवं पहल करते हुए अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या,कहाँ,कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग/चुटकुले आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न मुद्दों पर कक्षा या बाहर होने वाली चर्चा में अपनी बात को व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं भाव के साथ रुचि लेते हुए पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार उचित शब्दों का चयन करके वाक्य लिख पाना।	I																														
	II																														
पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों को पढ़ने के प्रति पहल कर पाना एवं संबंधित अनुभव कक्षा में बता पाना।	I																														
	II																														
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी,शिरो रेखा, उचित विराम चिह्नों व मानक शब्दों का प्रयोग कर परिचित घटना/चित्रों पर 6–8 वाक्य लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के जवाब/उत्तर लिख पाना।	I																														
	II																														
दी गई कहानी/कविता के भाव को अपने शब्दों में समझते हुए लिख पाना।	I																														
	II																														
शब्दों की अन्तिम ध्वनि के आधार पर नवीन शब्दों का लेखन कर पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका अपने लेखन में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
मुहावरों की प्रारंभिक समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
वचन एवं पर्यायवाची शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
कागज से वस्तुएँ बनाकर उनको बनाने की विधि बता पाना।	I																														
	II																														
परिवेश से सम्बन्धित विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																														
	II																														
चित्र के अनुसार उचित रंग का संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

कक्षा–3 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
सुनी/पढ़ी हुई कविता, गीत को लय व हावभाव के तालमेल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों एवं भाषा का प्रयोग करते हुए अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी को सुनकर उसका सार/भाव अपने शब्दों में बता पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय एवं सामाजिक मुद्दों पर कक्षा कक्षीय चर्चा में अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																														
	II																														
दिए गए संदर्भ के आधार पर दो पात्रों के मध्य संवाद को कल्पना करते हुए बता पाना।	I																														
	II																														
सुनी हुई कहानी/कविता के बारे में अपनी बात को पसंद या नापसंद के संदर्भ में रख पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ रुचि लेते हुए पढ पाना।	I																														
	II																														
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																														
	II																														
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ एवं विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में वाक्यों के लिए सही शब्द का चुनाव कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
पठित विषयवस्तु पर कक्षा में व बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																														
	II																														
पाठ्यसामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																														
	II																														
पाठ्यसामग्री में आए नवीन शब्दों/परिवेशीय शब्दों के अर्थ एवं मानक रूप को समझ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु को पढ़कर उससे सम्बन्धित जानकारियों को एकत्रित कर पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी, शिरो रेखा, मानक शब्दों व उचित विराम चिह्नो के साथ परिचित घटना/चित्रों को देखकर 6 से 8 वाक्य लिख पाना।	I																														
	II																														
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के आधार पर स्वयं की बात को लिख पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु आधारित प्रश्नों (क्या, कौन, कहाँ, कैसे, कौनसे) के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार दिए जाने वाले संवादों का अपनी कल्पना के आधार पर लेखन कर पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं अपने लेखन में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
संज्ञा शब्दों को पहचान पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
वचन शब्दों की पहचान एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सर्वनाम शब्दों का लेखन में उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विपरीत अर्थ वाले शब्दों की पहचान एवं वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यायवाची शब्दों को पहचान पाना एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
कागज से अपनी मन पसंद की सामग्री बना पाना।	I																														
	II																														
चित्र के अनुसार रंग का संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी व पढ़ी कहानी/कविता/विशेष विषयवस्तु से सम्बन्धित एवं स्वतंत्र रूप से चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–3 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
सुनी अथवा पढ़ी कविता, गीत को लय और हावभाव व पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																														
	II																														
अपने परिवेश या सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के दौरान अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																														
	II																														
दिए गए संदर्भ के आधार पर दो पात्रों के मध्य संवाद को कल्पना करते हुए बता पाना।	I																														
	II																														
सुनी हुई कहानी/कविता/नाटक के बारे में अपनी बात को पसंद या नापसंद के संदर्भ में रख पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
उचित गति, स्पष्ट उच्चारण व भाव के साथ रुचि से पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																														
	II																														
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त करना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																														
	II																														
पठित सामग्री में आए नवीन शब्दों/परिवेशीय शब्दों के अर्थ एवं मानक रूप को समझ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु को पढ़कर उससे सम्बन्धित जानकारियों को एकत्रित कर पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी, शिरो रेखा, मानक शब्दों एवं उचित विराम चिह्नों के साथ परिचित घटना/चित्रों को देखकर 6 से 8 वाक्य लिख पाना।	I																														
	II																														
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के जवाब स्वयं लिख पाना।	I																														
	II																														
कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार अपने अनुभवों एवं पूर्व अवलोकित चीज़ों के बारे में लिखकर व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
चित्रों की क्रमबद्धता को समझते हुए स्वयं कहानी लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
संज्ञा शब्दों की पहचान के साथ वर्गीकरण कर पाना।	I																														
	II																														
सर्वनाम शब्दों की पहचान एवं लेखन में सही प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं लेखन में उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
मुहावरों की प्रारंभिक समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यायवाची शब्दों को पहचानते हुए प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विपरीत अर्थ वाले शब्दों की पहचान एवं वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
वचन एवं लिंग की पहचान कर पाना एवं उनका उचित स्थान पर प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
क्रिया की आरंभिक पहचान करते हुए वाक्य बना पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
संदर्भ के अनुसार पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																														
	II																														
चित्र के अनुसार उचित रंग का संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी व पढ़ी कहानी, कविता, विशेष विषयवस्तु से सम्बन्धित एवं स्वतंत्र रूप से चित्र बना पाना एवं नाम दे पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री के बारे में जानकारी एकत्रित कर पाना एवं स्वयं बनाने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* वर्णाकृतियों की पहचान करते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना। ** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								

कक्षा –2	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा : 4

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–4 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																														
	II																														
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी/पढ़ी विषयवस्तु के आधार पर कल्पनात्मक वाक्य बोल पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
विविध प्रकार की वस्तुओं को बनाने की विधि, निर्देशों एवं सांकेतिक भाषा को पढ़कर समझना एवं उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																														
	II																														
चित्रों पर क्रमबद्वता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																														
	II																														
विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																														
	II																														
कल्पना के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित कर लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विराम चिह्नों को पहचान पाना एवं उपयुक्त जगह पर उपयुक्त चिह्न का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विलोम शब्दों को समझते हुए उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
'र' के विभिन्न प्रयोगों को समझ पाना व लेखन में उपयुक्त प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का संकलन कर उसे व्यवस्थित रूप दे पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
दिए गए निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–4 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																														
	II																														
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
सुनी गई/पढ़ी गई विषयवस्तु के आधार पर कल्पनात्मक वाक्य बोल पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
विविध प्रकार की वस्तुओं को बनाने की विधि, निर्देशों एवं सांकेतिक भाषा को पढ़कर समझना एवं उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
दृश्यात्मक चित्रों पर क्रमबद्वता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																														
	II																														
विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																														
	II																														
कल्पना के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित कर लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विराम चिह्नों को पहचान पाना एवं उपयुक्त जगह पर उपयुक्त चिह्न का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विलोम शब्दों को समझते हुए उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
'र' के विभिन्न प्रयोगों को समझ पाना व लेखन में उपयुक्त प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का संकलन कर उसे व्यवस्थित रूप दे पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
दिए गए निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–4 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित क्या ,क्यों ,कहाँ, कब.. वाले प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																														
	II																														
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार की जानकारी को सुनकर आनंद ले पाना।	I																														
	II																														
कविता या गीत आदि को लय व ताल के साथ गाकर सुना पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु–सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																														
	II																														
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्वता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																														
	II																														
विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																														
	II																														
स्वयं की आत्मकथा एवं यात्रा का वर्णन लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
सर्वनाम शब्दों को समझ के साथ लेखन में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
प्रत्यय एवं उपसर्ग को समझ पाना।	I																														
	II																														
वचन, लिंग एवं विलोम की समझ होना एवं लेखन में अनुप्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
कोलाज़ एवं चिकनी मिट्टी के खिलौने बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–4 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित क्या, क्यों, कहाँ, कब.. वाले प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																														
	II																														
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास हो पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार की जानकारी को सुनकर आनन्द ले पाना।	I																														
	II																														
कविता या गीत आदि को लय व ताल के साथ गाकर सुना पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु–सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों व अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																														
	II																														
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																														
	II																														
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अनुमान व कल्पना के आधार पर स्वयं तुकबंदी कर लिख पाना।	I																														
	II																														
संदर्भ के अनुसार संवादों को लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
अनुनासिक, अनुस्वार को समझ के साथ पढ़ते हुए लेखन में इस्तेमाल कर पाना।	I																														
	II																														
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
'र' के विभिन्न रूपों का संदर्भ के अनुसार उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
वचन, लिंग, विलोम शब्दों का वाक्यों में अनुप्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विशेषण की समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का संवादों के साथ अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
पुस्तकालय से एकांकी पढ़कर नाटक तैयार कर मंचन कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* वर्णाकृतियों की पहचान करते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								

सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
कक्षा –2	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									

** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
कक्षा – 3	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* पठन सामग्री को उतार–चढ़ाव एवं धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									
** संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
	IV																									

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा : 5

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–5 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/गीत आदि के अर्थ एवं भाव को समझकर हाव–भाव सहित स्पष्टता के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
कविता, कहानी, गीत आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछ पाना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
कक्षा–कक्ष में हो रही चर्चा में अपने अनुभव के आधार पर सहजता के साथ विचार रख पाना।	I																														
	II																														
नवीन जानकारियों को सुनकर समझकर अनुभव से जोड़ते हुए अपने विचार दे पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
चित्र, कविता, कहानी, अनुच्छेद, पहेलियों को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित पाठ्य सामग्री के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
नवीन शब्दों को संदर्भ के साथ समझ पाना एवं शब्दकोश का उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
साहित्य की विभिन्न विधाओं से सम्बन्धित संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन कर पाना।	I																														
	II																														
खोजपूर्ण जानकारी एवं अनुमान–कल्पना आधारित प्रश्नों के उत्तर तार्किकता के साथ दे पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
क्यो, कब कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर तर्क के साथ विस्तार से लिख पाना।	I																														
	II																														
पाठ्य सामग्री को पढ़ कर उसके अर्थ एवं मूल भाव को उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
चित्र को देख कर क्रमबद्धता के साथ लगभग 9–10 वाक्य लिख पाना।	I																														
	II																														
पढ़ी/सुनी लोककथा को स्वयं के स्तर पर लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
अनुनासिक एवं अनुस्वार शब्दों को उच्चारण भेद के साथ प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
उपसर्ग की समझ एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
विशेषण शब्दों की समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
'र' के विभिन्न रूप की समझ एवं अनुप्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
कारक चिह्न को समझ के साथ पठन–लेखन में उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार के पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
गीत/कविताओं को हावभाव एवं लय –ताल के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–5 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/गीत आदि के अर्थ एवं भाव को समझकर बता पाना।	I																														
	II																														
कविता, कहानी, गीत आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछ पाना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
कक्षा–कक्ष में हो रही चर्चा में अपने अनुभव के आधार पर विचार रख पाना।	I																														
	II																														
गीत/कविता का लय व आनन्द के साथ गायन कर पाना।	I																														
	II																														
नवीन जानकारियों को सुनकर समझकर अनुभव से जोड़ते हुए अपने विचार दे पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
चित्र, कविता, कहानी, अनुच्छेद, पहेलियों को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।	I																														
	II																														
पाठ्य सामग्री के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
अपरिचित शब्दों को संदर्भ के साथ समझ पाना एवं शब्दकोश का उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
साहित्य की विभिन्न विधाओं से सम्बन्धित संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन कर पाना।	I																														
	II																														
खोजपूर्ण जानकारी एवं अनुमान–कल्पना आधारित प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न पाठ्यसामग्री को पढ़कर उन पर प्रतिक्रिया दे पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
क्यो, कब, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर तर्क के साथ विस्तार से लिख पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
पाठ्य सामग्री को पढ़ कर उसके अर्थ एवं मूल भाव को उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए लिख पाना।	I																														
	II																														
दृश्यात्मक चित्रों पर वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																														
	II																														
दिए गए संदर्भ पर आधारित पढ़ी /सुनी लोककथा को स्वयं के स्तर पर लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
मुहावरों को समझ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
उपसर्ग की समझ एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
संज्ञा एवं विशेषण शब्दों की समझ एवं संदर्भ के अनुसार लेखन में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यायवाची शब्दों को समझ पाना एवं उनको पहचान पाना।	I																														
	II																														
अनेकार्थी शब्दों को समझते हुए उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार के पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
गीत/कविताओं को हावभाव एवं लय –ताल के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–5 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/गीत आदि के अर्थ एवं भाव को समझकर हाव–भाव सहित स्पष्टता के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
कविता, कहानी, गीत आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछ पाना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
कक्षा–कक्ष में हो रही चर्चा में अपने अनुभव के आधार पर सहजता के साथ विचार रख पाना।	I																														
	II																														
नवीन जानकारियों को सुनकर समझकर अनुभव से जोड़ते हुए अपने विचार दे पाना।	I																														
	II																														
आस–पास घटने वाली घटनाओं/अनुभव एवं अपनी भावनाओं को उचित प्रवाह एवं नवीन शब्दावली के प्रयोग के साथ व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
कक्षा में चल रही चर्चा में पहल के साथ अपना मत रख पाना एवं अपने साथियों के विचार सुनकर तर्कसंगत प्रतिक्रिया दे पाना।	I																														
	II																														
चल रहे कार्यों(बातचीत/गतिविधि/खेल/कहानी आदि) के सम्बन्ध में तर्क संगत प्रश्न पूछ पाना एवं प्रश्नों के तर्कसंगत उत्तर पूरे वाक्य में दे पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
चित्र, कविता, कहानी, अनुच्छेद, पहेलियों को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।	I																														
	II																														
पाठ्य सामग्री के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
अपरिचित शब्दों को संदर्भ के साथ समझ पाना एवं शब्दकोश का उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
साहित्य की विभिन्न विधाओं से सम्बन्धित संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन कर पाना।	I																														
	II																														
खोजपूर्ण जानकारी एवं अनुमान–कल्पना आधारित प्रश्नों को पढ़कर समझना एवं उनके उत्तर तार्किकता के साथ दे पाना।	I																														
	II																														
पाठ्यसामग्री से संबंधित बहुसांस्कृतिक संदर्भो को पढ़कर समझते हुए उनके बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री को समझते हुए अपनी राय बता पाना।	I																														
	II																														
स्तरानुसार संबंधित सूचनाओं ,निर्देशों एवं पत्रों को पढ़कर समझते हुए संबंधित कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में शब्दावली का संदर्भ के साथ अर्थ ग्रहण कर पाना व नवीन जानकारियाँ प्राप्त कर पाना।	I																														
	II																														
चित्र कथाओं, पत्रों, चुटकुलों को पढ़कर समझ पाना व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तार्किकता के साथ दे पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
क्यो, कब कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर तर्क के साथ विस्तार से लिख पाना।	I																														
	II																														
पाठ्य सामग्री को पढ़ कर उसके अर्थ एवं मूल भाव को उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														
परिचित संदर्भ/विषयवस्तु/चित्र पर 8–10 वाक्यों में शुद्धता एवं स्पष्टता के साथ मानक शब्दावली व विराम चिह्नों का उचित उपयोग करते हुए अपने अनुभव पर अनुच्छेद लिख पाना।	I																														
	II																														
दृश्यात्मक/क्रियात्मक चित्रों के आधार पर कहानी का सृजन कर पाना ।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
पढ़े गए पत्रों के आधार पर उचित प्रारूप में स्वयं पत्र लिख पाना।	I																														
	II																														
व्याकरण																															
संज्ञा एवं विशेषण शब्दों की समझ एवं लेखन में संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
लिंग एवं वचन का संदर्भ के अनुसार उचित प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यायवाची एवं विपरीतार्थक शब्दों को संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
कारक चिह्नों को समझ के साथ पठन–लेखन में उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
क्रिया और क्रिया विशेषण की पहचान कर पाना एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार के पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
गीत/कविताओं को हावभाव एवं लय –ताल के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
अपने अनुभवों को चित्र द्वारा व्यक्त कर पाना। (ऐसे चित्र जिनमें एक से अधिक चीज़ें हो रही हों।)	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–5 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सुनकर समझना और समझकर बोलना																															
कहानी/कविता/गीत आदि के अर्थ एवं भाव को समझकर हाव–भाव सहित स्पष्टता के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
कविता, कहानी, गीत आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दे पाना।	I																														
	II																														
कक्षा–कक्ष में हो रही चर्चा में अपने अनुभव के आधार पर सहजता के साथ विचार रख पाना।	I																														
	II																														
नवीन जानकारियों को सुनकर समझकर अनुभव से जोड़ते हुए अपने विचार दे पाना।	I																														
	II																														
अपने आस–पास घटने वाली घटनाओं/ अनुभवों एवं भावनाओं को उचित प्रवाह एवं नवीन शब्दावली के प्रयोग के साथ व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
चर्चा में पहल के साथ अपना मत रख पाना एवं अपने साथियों के विचार सुनकर तर्कसंगत प्रतिक्रिया दे पाना।	I																														
	II																														
चल रहे कार्यों (बातचीत/गतिविधि/खेल/कहानी आदि) के सम्बन्ध में तर्क संगत प्रश्न पूछ पाना एवं सुनकर क्यों व कैसे वाले प्रश्नों के तर्कसंगत उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
पढ़ना और पढ़कर समझना																															
चित्र, कविता, कहानी, अनुच्छेद, पहेलियों को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।	I																														
	II																														
पाठ्य सामग्री के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
नवीन शब्दों को संदर्भ के साथ समझ पाना एवं शब्दकोश का उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
साहित्य की विभिन्न विधाओं से सम्बन्धित संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
खोजपूर्ण जानकारी एवं अनुमान–कल्पना आधारित प्रश्नों को पढ़कर समझना एवं तार्किकता के साथ उत्तर दे पाना।	I																														
	II																														
पाठ्यसामग्री से संबंधित बहुसांस्कृतिक संदर्भो को पढ़कर समझते हुए उनके बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री को समझते हुए अपनी राय बता पाना।	I																														
	II																														
स्तरानुसार संबंधित सूचनाओं ,निर्देशों एवं पत्रों को पढ़कर समझते हुए संबंधित कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार की शब्दावली का संदर्भ के साथ अर्थ ग्रहण कर पाना व नवीन जानकारियाँ प्राप्त कर पाना।	I																														
	II																														
चित्र कथाओं, पत्रों, चुटकुलों को पढ़कर समझ पाना व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तार्किकता के साथ दे पाना।	I																														
	II																														
लिखना																															
क्यो, कब, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर तर्क के साथ विस्तार से लिख पाना।	I																														
	II																														
पाठ्य सामग्री को पढ़ कर उसके अर्थ एवं मूल भाव को उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ लिख पाना।	I																														
	II																														
परिचित संदर्भ/विषयवस्तु/चित्र पर 8–10 वाक्यों में शुद्धता एवं स्पष्टता के साथ मानक शब्दावली व विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए अनुच्छेद लिख पाना।	I																														
	II																														
दृश्यात्मक चित्रों के आधार पर कहानी का सृजन कर पाना ।	I																														
	II																														
पढ़े गए पत्रों के आधार पर उचित प्रारूप में स्वयं पत्र लिख पाना।	I																														
	II																														
पढ़े गए संवाद को कहानी के रूप में स्वयं के स्तर पर लिख पाना।	I																														
	II																														
पहेलियों, लोकोक्तियों, लोककथाओं को खोजकर लेखन कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
व्याकरण																															
संज्ञा एवं विशेषण शब्दों की समझ एवं स्वयं के लेखन में प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
कारक चिह्नों को समझ के साथ पठन–लेखन में उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
समानार्थी शब्दों को समझ पाना एवं अपनी भाषा में प्रयोग भी कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यायवाची एवं विपरीतार्थक शब्दों को संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
लोकोक्तियों को समझ पाना।	I																														
	II																														
क्रिया और क्रिया विशेषण की पहचान कर पाना एवं प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																															
विभिन्न प्रकार के पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																														
	II																														
गीत/कविताओं को हावभाव एवं लय –ताल के साथ सुना पाना।	I																														
	II																														
अपने अनुभवों को चित्र द्वारा व्यक्त कर पाना। (ऐसे चित्र जिनमें एक से अधिक चीज़ें हो रही हों।)	I																														
	II																														
परिवेशीय सजगता																															
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																														
	II																														
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																														
	II																														

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–5 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* वर्णाकृतियों की पहचान करते हुए सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								

कक्षा –2	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																							
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।		I																							
		II																							
		III																							
		IV																							

कक्षा – 3	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* पठन सामग्री को उतार–चढ़ाव एवं धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
** संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
कक्षा – 4	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	टर्म																								
* जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								
** चित्र दृश्यों एवं दी गई विषयवस्तु पर क्रमबद्धता के साथ कहानी सृजन कर लिख पाना।		I																								
		II																								
		III																								
		IV																								

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षक के नोट्स

शिक्षक के नोट्स

शिक्षक के नोट्स

'स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन' (S.I.Q.E.) के विकास एवं क्रियान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्